K. Nawal M.A 4Th Sem's

(8) Q- कार्य अभिप्रेरणा के समता- सिद्धान्त (Equity Theory) का वर्णन करें।

Ans:— कार्य- अभिप्रेरणा के समता- सिद्धान्त का प्रतिपादन जे० एस० ऐडम्स द्वारा किया गया है। इस सिद्धान्त के अनुसार यदि कर्मचारी यह प्रत्यक्षण करता है कि उसके कार्य निवेश या उसका प्रयास और कार्य- परिणाम में अन्तर है तो वह इस अंतर को दूर करने के लिए प्रेरित होगा। यह अंतर ही इस सिद्धान्त में कार्य- अभिप्रेरण माना गया है। यह अंतर जितना ही अधिक होगा, व्यक्ति उतना ही उसे दूर करने के लिए प्रेरित होगा। इस अंतर को असमानता कहा गया है।

एडम्स के मतानुसार कार्य- परिस्थिति में कर्मचारी में असमानता या अन्तर तब उत्पन्न होता है जब वह यह प्रत्यक्षण करता है कि उसका कार्य- निवेश और कार्य- परिणाम का अनुपात किसी संदर्भ- व्यक्ति के कार्य- निवेश तथा कार्य- परिणाम के अनुपात से कम या अधिक है। संदर्भ- व्यक्ति उसके समूह का कोई व्यक्ति हो सकता है या दूसरे समूह या संगठन का कोई व्यक्ति हो सकता है। इस सिद्धान्त में कार्य- निवेश में कर्मचारियों द्वारा किया गया प्रयास, कौशल, शिक्षा, उम्र, यौन तथा कार्य- निष्पादन आदि को रखा जाता है तथा कार्य- परिणाम में कार्य पूरा होने से मिलनेवाले पुरस्कार को यथा- वेतन, पदोन्नति, पहचान, उपलब्धि तथा स्तर आदि को रखा जाता है। एडम्स का मानना है कि कर्मचारी अपने निवेश तथा परिणाम के अनुपात की तुलना सामान्यतः अपने ही स्तर के अन्य कर्मचारी के निवेश तथा परिणाम से करते हैं और यदि वे यह पाते हैं कि ये दोनों अनुपात संतुलित नहीं हैं तो इससे असमानता की अवस्था उत्पन्न होती है जिसे निम्नांकित ढंग से दिखाया जा सकता है।